Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/03/01

III Semester Paper -I : (PAPER CODE : 43541)

PAPER NAME - **पाण्डुलिपि सम्पादन**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – प्रथम : Paper Code 43541

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–प्रथम	**पाण्डुलिपि सम्पादन**	**100 अंक**
इकाई एक	पाण्डुलिपि सम्पादन के निम्नांकित प्रमुख सिद्धान्त– 1. पाण्डुलिपि विज्ञान का स्वरूप एवं महत्त्व 2. पाण्डुलिपि की रचना–प्रक्रिया एवं चिन्ह	20 अंक
इकाई दो	1. पाण्डुलिपि प्राप्ति विवरण, बाह्य एवं अंतरंग परिचय 2. लिपि के प्रकार (ब्राह्मी, देवनागरी आदि)	20 अंक
इकाई तीन	पाण्डुलिपि सम्पादन के निम्नांकित प्रमुख सिद्धान्त 1. वर्ण–विकार एवं शब्द अर्थ की समस्या 2. पाठालोचन की प्रमुख प्रणालियां एवं पाठ–निर्माण	20 अंक
इकाई चार	1. काल–निर्धारण के प्रमुख आधार 2. प्रमुख ग्रन्थ – भण्डारों का परिचय एवं महत्त्व	20 अंक
इकाई पांच	सेतुबन्ध (प्रवरसेन) प्रथम सर्ग (1–40 गाथाएं, व्याख्या) सम्पा. डॉ. राजा राम जैन	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. पाण्डुलिपि सम्पादन कला – डॉ. राम गोपाल शर्मा दिनेश
2. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. सत्येन्द्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
3. पाठालोचन की भूमिका – डॉ. कत्रे
4. सामान्य पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ. महावीर प्रसाद जैन
5. भारतीय पुरालिपि विद्या – डॉ. कृष्णदत्त वाजपेयी
6. प्राकृत भाषा और साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. नेमिचन्द शास्त्री (पृ.247–296)
7. जैन साहित्य का वृहत् इतिहास भाग 5, पं.अम्बालाल शाह
8. सेतुबन्ध – अनु. डॉ. राजा राम जैन
9. सेतुबन्धमहाकाव्य का आलोचनात्मक परिशीलन – प्रो. रामजी राय
10. सेतुबन्ध (प्रथम सर्ग) – डॉ. हरिशंकर पाण्डेय

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, – Core course/03/02

III Semester Paper –II : (PAPER CODE : 43542)

PAPER NAME - **प्राकृत व्याकरण एवं अपभ्रंश भाषा**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – द्वितीय : Paper Code 43542

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–द्वितीय	**प्राकृत व्याकरण एवं अपभ्रंश भाषा**	**100 अंक**
इकाई एक	हेमशब्दानुशासन के तृतीय पाद के सूत्र 1–42 एवं 58–182 सूत्रों की सोदाहरण हिन्दी व्याख्या। इसके लिए –प्राकृत व्याकरण के शब्द रूप कारक एवं सर्वनाम से सम्बन्धित हेमशब्दानुशासन के निर्धारित सूत्रों में से आठ सूत्रों को देकर चार की व्याख्या पूछना	20 अंक
इकाई दो	प्राकृत व्याकरण के अव्यय, सन्धि, समास, विशेषण एवं वाक्य प्रयोग से सम्बन्धित सोदाहरण नियम लिखना	20 अंक
इकाई तीन	अपभ्रंश व्याकरण एवं चरित काव्य, अपभ्रंश व्याकरण के प्रमुख नियम (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं कृदन्त के नियम)	20 अंक
इकाई चार	णायकुमारचरिउ, प्रथम संधि	20 अंक
इकाई पांच	प्राकृत भाषा में निबन्ध लेखन	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. हेमशब्दानुशासन (प्यार चन्द महाराज) की हिन्दी व्याख्या, ब्यावर
2. हेम प्राकृत व्याकरण – डॉ. उदय चन्द्र जैन, 1983
3. हेमचन्द्र का शब्दानुशासन : एक अध्ययन – डॉ. नेमि चन्द शास्त्री
4. प्राकृतमार्गोपदेसिका – पं. बेचरदास दोशी
5. अपभ्रंश काव्यधारा – डॉ. जैन एवं डॉ. शर्मा, अहमदाबाद
6. णायकुमार चरिउ – हीरालाल जैन
7. प्राकृत व्याकरण – डॉ. उदय चन्द्र जैन
8. प्राकृत स्वयं शिक्षक (खण्ड 1) – डॉ. प्रेम सुमन जैन (तृतीय आवृत्ति)
9. प्राकृत रचनोदय – डॉ. उदय चन्द्र जैन
10. अपभ्रंश का जैन साहित्य एवं जीवन–मूल्य – साध्वी डॉ. साधना
11. अपभ्रंश रचना सौरभ – डॉ. के. सी. सोगानी

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/03-A

III Semester Paper –III-A : (PAPER CODE : 43543-A)

PAPER NAME - **जैन आगम, ध्यान एवं योग**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – तृतीय– ए : Paper Code 43543-A

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–तृतीय	**जैन आगम, ध्यान एवं योग**	**100 अंक**
इकाई एक	अर्द्धमागधी आगम, सूत्रकृतांग (प्रथम समय अध्ययन 83 गाथाएँ)	20 अंक
इकाई दो	उपासकदशांगसूत्र – प्रथम आनन्द श्रावक अध्ययन	20 अंक
इकाई तीन	पठित ग्रन्थों का दार्शनिक, भाषागत एवं आलोचनात्मक अध्ययन	20 अंक
इकाई चार	जैन ध्यान – सिद्धान्त एवं प्रक्रिया, भेद–प्रभेद	20 अंक
इकाई पांच	जैन योग – सिद्धान्त एवं प्रक्रिया, व्याख्या	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. सूत्रकृतांग सूत्र – सं. मुनि मधुकर (हिन्दी व्याख्या सहित)
2. जैन साहित्य का वृहत् इतिहास भाग 1, 2 एवं 3
3. जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा – आ. देवेन्द्र मुनि शास्त्री
4. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
5. जैन साधना पद्धति में ध्यान योग – डॉ. साध्वी प्रियदर्शना
6. जैन योग का आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ. अर्हतदास डिगे
7. ध्यान एक दिव्य साधना – आ. डॉ. शिवमुनि
8. योग बिन्दु के परिप्रेक्ष्य में जैन योग – साधना का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. सुव्रत मुनि शास्त्री
9. जैन परम्परा में ध्यान का स्वरूप – डॉ. सीमा रानी शर्मा
10. योग मनन और संस्कार – आ. शिवमुनि
11. ध्यान विचार – आ. कलापूर्णसूरि
12. उपासकदशांग – साध्वी डॉ. स्मृति
13. सूत्रकृतांग का दार्शनिक अध्ययन – डॉ. नीलांजना श्री
14. सूत्रकृतांग – पं. हेमचन्द (व्याख्याकार)
15. ध्यान का स्वरूप – डॉ .हुकम चंद भारिल्ल
16. श्रावक धर्मदर्शन – उपाध्याय पुष्कर मुनि
17. सामान्य श्रावकाचार – पं. रतन चन्द्र भारिल्ल

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/03-B

III Semester Paper –III-B : (PAPER CODE : 43543-B)

PAPER NAME - **जैन योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – तृतीय–बी : Paper Code 43543-B

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–तृतीय	**जैन योग एवं स्वास्थ्य विज्ञान**	**100 अंक**
इकाई एक	ध्यान शतक (जिनभद्रगणि) सम्पूर्ण	20 अंक
इकाई दो	जैन योग की परम्परा, विकास एवं भेद–प्रभेद तथा पठित ग्रन्थ पर आलोचनामत्क प्रश्न	20 अंक
इकाई तीन	जैन परम्परा में ध्यान एवं योग का सम्बन्ध, स्वास्थ्य विज्ञान एवं योग की प्राचीन परम्परा	20 अंक
इकाई चार	जैनाचार–आहार संयम एवं स्वास्थ्य का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक आधार , यौगिक क्रियाएं और स्वास्थ्य–चिन्तन, स्वास्थ्य–निर्माण एवं समाज–संरचना में जैन योग का प्रभाव,	20 अंक
इकाई पांच	जैन योग की समसामयिक व्यवहार्यता, जैन योग का आध्यत्मिक एवं वैज्ञानिक महत्त्व	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. ध्यान शतक (जिनभद्रगणि), वीर सेवा मंदिर, नई दिल्ली
2. जैन साहित्य का वृहत् इतिहास भाग 1, 2 एवं 3
3. जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा – आ. देवेन्द्र मुनि शास्त्री
4. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
5. जैन साधना पद्धति में ध्यान योग – डॉ. साध्वी प्रियदर्शना
6. जैन योग का आलोचनात्मक अध्ययन – डॉ. अर्हतदास डिगे
7. ध्यान एक दिव्य साधना – आ. डॉ. शिवमुनि
8. योग बिन्दु के परिप्रेक्ष्य में जैन योग – साधना का समीक्षात्मक अध्ययन – डॉ. सुव्रत मुनि शास्त्री
9. जैन परम्परा में ध्यान का स्वरूप – डॉ. सीमा रानी शर्मा
10. योग मनन और संस्कार – आ. शिवमुनि
11. ध्यान विचार – आ. कलापूर्णसूरि
12. उपासकदशांग – साध्वी डॉ. स्मृति
13. सूत्रकृतांग का दार्शनिक अध्ययन – डॉ. नीलांजना श्री
14. सूत्रकृतांग – पं. हेमचन्द (व्याख्याकार)
15. ध्यान का स्वरूप – डॉ .हुकम चंद भारिल्ल
16. श्रावक धर्मदर्शन – उपाध्याय पुष्कर मुनि
17. सामान्य श्रावकाचार – पं. रतन चन्द्र भारिल्ल

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, - Elective course/03/04-A

III Semester Paper –IV-A : (PAPER CODE : 43544-A)

PAPER NAME - **जैन सिद्धान्त एवं दर्शन**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – चतुर्थ–ए : Paper Code 43544-A

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–चतुर्थ	**जैन सिद्धान्त एवं दर्शन**	**100 अंक**
इकाई एक	सम्मइसुत्तं (सिद्धसेन, तीसरा अनेकान्त खण्ड) गाथा 1–70 एवं समीक्षा	20 अंक
इकाई दो	दशवैकालिक सूत्र (1 से 4 अध्ययन)	20 अंक
इकाई तीन	जैन दर्शन के प्रमुख सिद्धान्त, स्याद्वाद एवं अनेकान्तवाद का विवेचन	20 अंक
इकाई चार	जैन दर्शन की समीक्षा– सत्तास्वरूप, सप्ततप्व एवं कर्म सिद्धान्त	20 अंक
इकाई पांच	जैन साहित्य का सांस्कृतिक मूल्यांकन– समाज, दर्शन, कला एवं शिक्षा आदि की दृष्टि से जैन साहित्य का मूल्यांकन	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. सन्मतिसूत्र (हिन्दी अनुवाद) – डॉ. देवेन्द्र कुमार शास्त्री
2. दशवैकालिक – मधुकर मुनि
3. तत्त्वार्थसूत्र – पं. सुखलाल सिंघवी
4. जैन दर्शन – पं. महेन्द्र कुमार जैन
5. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा – मुनि नथमल
6. जैन धर्म–दर्शन – डॉ. मोहन लाल मेहता
7. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
8. कुवलयमालाकथा का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. प्रेम सुमन जैन
9. ए क्रिटीकल स्टडीज ऑफ पउमरियं – डॉ. के. आर. चन्द्रा
10. स्टडीज इन भगवती सूत्र – डॉ. जे. सी .सिकदर
11. दशवैकालिक – आचार्य आत्माराम जी म. सा.

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, - Elective course/03/04-B

III Semester Paper –IV-B : (PAPER CODE : 43544-B)

PAPER NAME - **प्राकृत काव्य साहित्य मीमांसा**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – चतुर्थ–बी : Paper Code 43544-B

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–चतुर्थ	**प्राकृत काव्य साहित्य मीमांसा**	**100 अंक**
इकाई एक	कुम्मापुत्तचरियं–अनन्तहंसकृत (चिन्तामणि दृष्टान्त)	20 अंक
इकाई दो	पउमचरियं (विमलसूरि) अंजना–पवनंजय कथा का मूल पाठ	20 अंक
इकाई तीन	कुमारपाल प्रतिबोध, आचार्य हेमचन्द्र (1–100 गाथाएँ)	20 अंक
इकाई चार	पठित ग्रन्थों पर आलोचनात्मक प्रश्न	20 अंक
इकाई पांच	प्राकृत काव्य साहित्य की परम्परा, विकास एवं विविध विधाएँ और वैशिष्ट्य, प्रमुख प्राकृत–काव्यकारों और उनकी कृतियों का परिचय	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. कुम्मापुत्तचरियं–अनन्तहंसकृत अनुवादक – डॉ. जिनेन्द्र कुमार जैन
2. पउमचरियं (विमलसूरि)
3. कुमारपाल प्रतिबोध – आचार्य हेमचन्द्र
4. जैन दर्शन – पं. महेन्द्र कुमार जैन
5. जैन दर्शन : मनन और मीमांसा – मुनि नथमल
6. जैन धर्म–दर्शन – डॉ. मोहन लाल मेहता
7. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन
8. कुवलयमालाकथा का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. प्रेम सुमन जैन
9. ए क्रिटीकल स्टडीज ऑफ पउमरियं – डॉ. के. आर. चन्द्रा
10. स्टडीज इन भगवती सूत्र – डॉ. जे. सी .सिकदर
11. जैन साहित्य का वृहत् इतिहास भाग 1, 2 एवं 3
12. जैन आगम साहित्य : मनन और मीमांसा – आ. देवेन्द्र मुनि शास्त्री
13. प्राकृत साहित्य का इतिहास – डॉ. जगदीश चन्द्र जैन

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/05-A

III Semester Paper –V-A : (PAPER CODE : 43545-A)

PAPER NAME - **जैन धर्म : समाज एवं संस्कृति**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – पंचम–ए : Paper Code 43545-A

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–पंचम	**जैन धर्म : समाज एवं संस्कृति**	**100 अंक**
इकाई एक	जैन धर्म उद्भव एवं विकास	20 अंक
इकाई दो	जैन धर्म का समाज पर प्रभाव	20 अंक
इकाई तीन	जैन धर्म की परम्परा – दिगम्बर एवं श्वेताम्बर	20 अंक
इकाई चार	जैन धर्म में नारी की स्थिति	20 अंक
इकाई पांच	जैन धर्म में पर्यावरण विज्ञान, शाकाहार वर्तमान युग में महत्त्व	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. जैन धर्म – आ. सुशील मुनि
2. जैन धर्म – डॉ.राजेन्द्र मुनि
3. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास – डॉ.भाग चन्द्र जैन
4. जैन धर्म–दर्शन – डॉ.रमेश चन्द्र जैन
5. जैन धर्म – पं.कैलाश चन्द्र शास्त्री
6. धर्म दर्शन, मनन और मीमांसा – आ.देवेन्द्र मुनि
7. जैन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण – प्रो.प्रेम सुमन जैन
8. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ.हीरालाल जैन
9. आगम युग में जैन दर्शन – पं.दलसुखभाई मालवणिया
10. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन
11. भारतीय वाङ्मय में नारी – आचार्य देवेन्द्र मुनि
12. जिणधम्मो – आचार्य नानेश

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/05-B

III Semester Paper –V-B : (PAPER CODE : 43545-B)

PAPER NAME - **जैनाचार का समाजशास्त्रीय आधार**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – पंचम–बी : Paper Code 43545-B

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–पंचम	**जैनाचार का समाजशास्त्रीय आधार**	**100 अंक**
इकाई एक	जैनाचार : अणुव्रत दर्शन की पृष्ठभूमि, अणुव्रतों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण	20 अंक
इकाई दो	इन्द्रिय संयम एवं आहारशुद्धि की सामाजिक पृष्ठभूमि, समाज–विकास का आधार शाकाहार	20 अंक
इकाई तीन	अपरिग्रह दर्शन की सार्वभौमिकता, विश्वशान्ति और सामाजिक समरसता का आधार – अपरिग्रहवाद : स्वरूप, परिणाम और विकृतियों के निवारण की जैन दृष्टि	20 अंक
इकाई चार	अणुव्रत दर्शन के विविध आयाम : अहिंसा, सत्य की सामाजिक पृष्ठभूमि – सिद्धान्त, प्रयोग एवं विश्लेषण	20 अंक
इकाई पांच	अहिंसा, समता, क्षमापना के परिप्रेक्ष्य में समाज–संरचना की जैन दृष्टि, रात्रि भेजनत्याग का आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक विश्लेषण	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. जैन धर्म – आ. सुशील मुनि
2. जैन धर्म – डॉ.राजेन्द्र मुनि
3. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास – डॉ.भाग चन्द्र जैन
4. जैन धर्म–दर्शन – डॉ.रमेश चन्द्र जैन
5. जैन धर्म – पं.कैलाश चन्द्र शास्त्री
6. धर्म दर्शन, मनन और मीमांसा – आ.देवेन्द्र मुनि
7. जैन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण – प्रो.प्रेम सुमन जैन
8. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ.हीरालाल जैन
9. आगम युग में जैन दर्शन – पं.दलसुखभाई मालवणिया
10. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन
11. भारतीय वाङ्मय में नारी – आचार्य देवेन्द्र मुनि
12. जिणधम्मो – आचार्य नानेश

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/06-A

III Semester Paper –VI-A : (PAPER CODE : 43546-A)

PAPER NAME - **प्राकृत आगम साहित्य – अर्द्धमागधी आगम**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – षष्ठ–ए : Paper Code 43546-A

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–पंचम	**प्राकृत आगम साहित्य – अर्द्धमागधी आगम**	**100 अंक**
इकाई एक	आयारो (आचारांग सूत्र) प्रथम एवं द्वितीय अध्ययन	20 अंक
इकाई दो	समवायांग (चतुर्थ समवाय)	20 अंक
इकाई तीन	नन्दी सूत्र (अवधिज्ञान एवं मनःपर्यय ज्ञान का प्रसंग)	20 अंक
इकाई चार	पठित ग्रन्थों पर आलोचनात्मक प्रश्न	20 अंक
इकाई पांच	जैनागमों का भाषात्मक एवं मीमांसात्मक विवेचन तथा अर्द्धमागधी प्राकृत व्याकरण की सामान्य विशेषताएँ	20 अंक

सहायक पुस्तकें:–

1. आयारो (आचारांग सूत्र) वाचना प्रमुख – आचार्य तुलसी एवं सम्पादक – आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भरती, लाडनूँ
2. समवायांग (चतुर्थ समवाय) वाचना प्रमुख – आचार्य तुलसी एवं सम्पादक – आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भरती, लाडनूँ
3. नन्दी सूत्र वाचना प्रमुख – आचार्य तुलसी एवं सम्पादक – आचार्य महाप्रज्ञ, जैन विश्व भरती, लाडनूँ
4. जैन धर्म–दर्शन – डॉ.रमेश चन्द्र जैन
5. जैन धर्म – पं.कैलाश चन्द्र शास्त्री
6. धर्म दर्शन, मनन और मीमांसा – आ.देवेन्द्र मुनि
7. जैन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण – प्रो.प्रेम सुमन जैन
8. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ.हीरालाल जैन
9. आगम युग में जैन दर्शन – पं.दलसुखभाई मालवणिया
10. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन
11. भारतीय वाङ्मय में नारी – आचार्य देवेन्द्र मुनि
12. जिणधम्मो – आचार्य नानेश

Faculty of Humanities
Master of Arts (M.A.)- Jainology and Prakrit

Subject – JAINOLOGY & PRAKRIT, Elective course/03/06-B

III Semester Paper –VI-B : (PAPER CODE : 43546-B)

PAPER NAME - **सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट राइटिंग**

एम.ए. द्वितीय वर्ष : जैनविद्या एवं प्राकृत साहित्य

तृतीय सेमेस्टर : प्रश्न पत्र – षष्ठ–बी : Paper Code 43546-B

इस सेमेस्टर में 80–80 अंकों के पांच प्रश्न–पत्र होंगे एवं प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20–20 अंक आंतरिक मूल्यांकन के लिए निर्धारित हैं। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र 4 क्रेडिट का होगा, जिसमें 4 कक्षाएँ प्रति सप्ताह प्रत्येक प्रश्न पत्र की की जायेंगी।

प्रश्न पत्र–पंचम	**सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट राइटिंग**	**100 अंक**
इकाई एक	प्राकृत एवं जैनविद्या विभाग/शोध संस्थान/केन्द प्राकृत भाषा एवं साहित्य की प्राचीनता एवं विविधता का मूल्यांकन	20 अंक
इकाई दो	प्राकृत एवं जैन साहित्य में वर्णित पर्वों का सामाजिक और सांस्कृतिक वैशिष्ट्य	20 अंक
इकाई तीन	जैनाचार शास्त्र अथवा जैन मंदिरों का सर्वेक्षण	20 अंक
इकाई चार	जैनविद्या के सैद्धान्तिक पक्षों का सामाजिक परिप्रेक्ष्य में प्रयोगात्मक विश्लेषण	20 अंक
इकाई पांच	प्राकृत एवं जैनविद्या की पाण्डुलिपियों और पाण्डुलिपि केन्द्रों में से चयनित किसी एक का कृति तथा केन्द्र का परिचय एवं सर्वेक्षण	20 अंक

विशेष नोट – Semester III, Paper VI-B में सर्वेक्षण एवं रिपोर्ट राइटिंग – प्रोजेक्ट वर्क के अन्तर्गत उपर्युक्त विषयों से सम्बद्ध रिपोर्ट राइटिंग लगभग 30–40 पृष्ठों में तैयार करके जमा करना होगा, जिसका मूल्यांकन वि.वि. द्वारा 80 अंकों से कराया जायेगा तथा 20 अंकों की इन्टरनल मौखिक परीक्षा स्थानीय/विभागीय विशेषज्ञों द्वारा ली जायेगी :–

सहायक पुस्तकें:–

1. जैन धर्म – आ. सुशील मुनि
2. जैन धर्म – डॉ.राजेन्द्र मुनि
3. जैन दर्शन और संस्कृति का इतिहास – डॉ.भाग चन्द्र जैन
4. जैन धर्म–दर्शन – डॉ. रमेश चन्द्र जैन
5. जैन धर्म – पं. कैलाश चन्द्र शास्त्री
6. धर्म दर्शन, मनन और मीमांसा – आ.देवेन्द्र मुनि
7. जैन संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण – प्रो.प्रेम सुमन जैन
8. भारतीय संस्कृति में जैन धर्म का योगदान – डॉ.हीरालाल जैन
9. आगम युग में जैन दर्शन – पं.दलसुखभाई मालवणिया
10. जैन आगम साहित्य में भारतीय समाज – डॉ.जगदीश चन्द्र जैन